



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 591] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 12, 1985/अग्राहायन 21, 1907
No. 591] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 12, 1985/AGRAHAYANA 21, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1985

का. आ. 896(अ) —केंद्रीय सरकार ने भूतपूर्व कपिल और
सिन्हाई मंत्रालय, (खाद्य विभाग) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण)
आदेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उप-धारा (2) के
खण्ड (ख) के अधीन जारी किए गए अपने आदेश सं. 704 (अ),
तारीख 8 दिसम्बर, 1978 द्वारा घोषित किया था कि राजस्थान
राज्य में जिला बन्दी में केशोरपटन सहकारी शर्करा मिल्स लि.
का प्रबन्ध 13 दिसम्बर, 1978 से तीन वर्ष की अवधि के लिए
केंद्रीय सरकार में निहित हो जाएगा; और निर्दिष्ट होने की
अवधि चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978
का 49) की धारा 3 के अधीन समय-समय पर जारी किए गए
आदेशों, अर्थात् भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति
मंत्रालय (खाद्य विभाग) के सं. का. आ. 394(अ), तारीख
11 दिसम्बर, 1981, का. आ. सं. 910(अ), तारीख 7 दिसम्बर,
1984 और का. आ. 208 (अ), तारीख 21 मार्च, 1985 के
अनुसार 12 दिसम्बर, 1985 तक बढ़ा दी गई थी।

और केंद्रीय सरकार की राय है कि उक्त चीनी उपक्रम का
प्रबन्ध उनके स्वामित्वों की, जिसमें उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध
ने किया गया था, प्रत्यावर्तित कर देना समीचीन है।

अतः केंद्रीय सरकार, साधारण खण्ड अधिनियम, 1897
(1897 का 10) की धारा 21 के साथ पठित उक्त अधिनियम की
धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 12-12-85
से आदेश सं. का. आ. 208 (अ), तारीख 21 मार्च, 1985 के
साथ पठित आदेश सं. का. आ. 704 (अ), तारीख 8 दिसम्बर,
1978 को निरुपिडित करती है।

[फा. सं. 1-6/85-एन एम.यू.]

बी. लक्ष्मी रत्न, संयुक्त सचिव (चीनी)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 12th December, 1985

SO 896(F).—Whereas by its order No. SO. 704 (E),
dated the 8th December, 1978, issued under clause (b) of
sub-section (2) of section 3 of the Sugar Undertakings
(Taking over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978),
the Central Government in the erstwhile Ministry of Agri-
culture and Irrigation (Department of Food), declared that
the management of Shri Keshraipatan Sahkari Sugar Mills
Ltd District Bundi in the State of Rajasthan, shall vest in
the Central Government for a period of three years with
effect from the 13th December, 1978, and the period of
the said vestment was extended from time to time up to
the 12th December, 1985, vide orders of the Government

of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 894(E), dated the 11th December, 1981, S.O. No 910(E), dated the 7th December, 1984, and S.O. 208(E), dated the 21st March, 1985, issued under section 3 of the Sugar Undertakings (Taking over of Management) Act, 1978 (49 of 1978);

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient that the management of the said sugar undertaking should be restored to the owners from whom the management of the said sugar undertaking was taken over;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act read with section 21 of the General Clauses Act 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby rescind the order No. S.O. 704(E), dated the 8th December, 1970 read with Order No. S.O. 208(E), dated the 21st March, 1985, with effect from the 12th December, 1985.

[F. No. 4-6/85-NSU]

V. LAKSHMI RATAN, Jt. Secy. (Sugar)